NEWS CLIPPING: 13.02.2021

PUNJAB KESARI

बड़ा सोचो उद्यमी बनो, कोई भी लक्ष्य मुश्किल नहीं: हरजिंदर सिंह चीमा

● जे.सी. बोस विश्वविद्यालय ने उद्यमशीलता को लेकर प्रेरक व्याख्यान का आयोजन

फरीदाबाद, राकेश देव (पंजाब केसरी)। जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद द्वारा आज 'बड़ा सोचो - उद्यमशील बनो' विषय पर एक प्रेरक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसे सफल उद्यमी और प्रेरक वक्ता हरजिंदर सिंह चीमा ने संबोधित किया। चीमा बॉयलर्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हरजिंदर सिंह चीमा देश के सफल उद्यमियों में शामिल है, जिनका

हरजिंदर सिंह चीमा को स्मृति चिह्न प्रदान करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार। (छाया:राकेश देव)

से अधिक का है।

इस कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के एलुमनाई और कॉर्पोरेट मामलों के प्रकोष्ठ द्वारा किया गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता अध्यक्षता कुलपति प्रो. कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग, डीन इंस्टीट्यूशंस प्रो. तिलक राज और एलुमनी एवं कॉर्पोरेट मामलों के निदेशक डॉ संजीव गोयल भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ। सपना तनेजा ने किया।

कुमार और वाईएमसीए संस्थान के पूर्व छात्र रहे फूजी जेमको प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक महेश सचदेवा ने भी संबोधित किया।

पूर्व मरीन इंजीनियर रहे श्री हरजिंदर चीमा ने विद्यार्थियों के साथ उद्यमशील बनने की अपनी कहानी को साझा किया और बताया कि करियर के प्रत्येक चरण में इनोवेशन किस तरह से एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।श्री चीमा ने विद्यार्थियों को नौकरी खोजने के बजाय रोजगार पैदा करने के लिए प्रशिक्षण देने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को एक करियर के रूप में उद्यमिता पर अपनाने की सलाह दी और एक उद्यमी के रूप में सफल होने के गुर समझाये। उन्होंने इनोवेशन पर बल देने, नई चुनौतियों का सामना करने तथा नवीनतम सॉफ्टवेयर्स की

पंजाब केसरी Sat, 13 February 2021
mpaper.punjabkesari.com/c/58415369

NEWS CLIPPING: 13.02.2021

PUNJAB KESARI

उद्यमी के रूप में सफल होने के समझाए गुर

■ जेसी बोस विवि ने उद्यमशीलता को लेकर प्रेरक व्याख्यान का किया आयोजन

हरजिंदर सिंह चीमा को स्मृति चिह्न प्रदान करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार। (छाया: एस शर्मा)

फरीदाबाद, 12 फरवरी (ब्यूरो): जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद द्वारा आज बड़ा सोचो - उद्यमशील बनो ' विषय पर एक प्रेरक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसे सफल उद्यमी और प्रेरक वक्ता हरजिंदर सिंह चीमा ने संबोधित किया। चीमा बॉयलर्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हरजिंदर सिंह चीमा देश के सफल उद्यमियों में शामिल है, जिनका सालाना कारोबार 2000 करोड़ रुपये से अधिक का है।

इस कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के एलुमनाई और कॉर्पोरेट मामलों के प्रकोष्ठ द्वारा किया गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग, डीन इंस्टीट्यूशंस प्रो. तिलक राज और एलुमनी एवं कॉर्पोरेट मामलों के निदेशक डॉ संजीव गोयल भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. सपना तनेजा ने किया।

कार्यक्रम को कुलपति प्रो. दिनेश कुमार और वाईएमसीए संस्थान के पूर्व छात्र रहे फूजी जेमको प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक महेश सचदेवा ने भी संबोधित किया।

पूर्व मरीन इंजीनियर रहे हरजिंदर चीमा ने विद्यार्थियों के साथ उद्यमशील बनने की अपनी कहानी को साझा किया और बताया कि करियर के प्रत्येक चरण में इनोवेशन किस तरह से एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। चीमा ने विद्यार्थियों को नौकरी खोजने के बजाय रोजगार पैदा करने के लिए प्रशिक्षण देने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को एक करियर के रूप में उद्यमिता पर अपनाने की सलाह दी और एक उद्यमी के रूप में सफल होने के गुर समझाये। उन्होंने इनोवेशन पर बल देने, नई चुनौतियों का सामना करने तथा नवीनतम सॉफ्टवेयर्स की उपयोग को महत्वपूर्ण बताया।

उन्होंने विद्यार्थियों को दिल से निर्णय लेने और प्रतिबद्ध रहने के लिए प्रोत्साहित किया और कहा कि कोई भी लक्ष्य हासिल करना असंभव नहीं है, केवल आवश्यकता बड़े सपने देखने की है। उन्होंने कहा कि केवल पूंजी निवेश से सफलता अर्जित नहीं की जा सकती। एक सफल उद्यम बनने के लिए व्यावसायिक दृष्टिकोण और मानसिकता महत्वपूर्ण पहलू हैं। उन्होंने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं है और केवल कड़ी मेहनत ही सफलता की कुंजी है।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING: 13.02.2021

PUNJAB KESARI

विद्यार्थियों को मिलेगी थैलेसीमिया परीक्षण की सहूलियत

प्रो. दिनेश कुमार की उपस्थिति में रोटरी ब्लड बैंक के साथ समझौता हस्तांतरित करते हुए कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग और रोटेरियन महेंद्र मेहतानी। (छाया: एस शर्मा)

फरीदाबाद, 12 फरवरी (ब्यूरो): जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद द्वारा थैलेसीमिया के परीक्षण के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जायेगा। थैलेसीमिया एक आनुवंशिक रक्त विकास है जो हीमोग्लोबिन और लाल रक्त कोशिकाओं के उत्पादन की शरीर की क्षमता को प्रभावित करता है। यह जानकारी कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने जेसी बोस विश्वविद्यालय और रोटरी ब्लड बैंक (आरबीबी) चैरिटेबल ट्रस्ट फरीदाबाद के बीच समझौता पर हस्ताक्षर के दौरान दी। विश्वविद्यालय द्वारा अपनी सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में रोटरी ब्लड बैंक के लिए ऐप विकसित की है, जिसके रखरखाव के लिए विश्वविद्यालय ने तकनीकी सेवा प्रदान करने को लेकर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। रोटरी ब्लड बैंक द्वारा विश्वविद्यालय में एक डेटा एनालिटिक्स प्रयोगशाला भी विकसित की है। समझौते पर कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग और रोटरी ब्लड बैंक के अध्यक्ष रोटेरियन महेंद्र मेहतानी कुलपति प्रो दिनेश कुमार की उपस्थिति में समझौता हस्ताक्षर किए। रोटेरियन महेन्द्र मेहतानी ने कुलपति को थैलेसीमिया पर जागरूकता अभियान चलाने के लिए विश्वविद्यालय को सहयोग देने की पेशशक की। उन्होंने कहा कि रोटरी ब्लड बैंक विश्वविद्यालय की आवश्यकता के अनुसार रियायती दरों पर विद्यार्थियों के लिए थैलेसीमिया के नैदानिक परीक्षण के लिए तैयार है।

NEWS CLIPPING: 13.02.2021

SATYAJAY TIMES

जे.सी. बोस विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को थैलेसीमिया परीक्षण की देगा सहूलियत

बल्लभगढ़, 12 फरवरी, सत्यजय टाईम्स/गोपाल अरोड़ा। जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद द्वारा थैलेसीमिया के परीक्षण के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जायेगा। थैलेसीमिया एक आनुवंशिक रक्त विकास है जो हीमोग्लोबिन और लाल रक्त कोशिकाओं के उत्पादन की शरीर की क्षमता को प्रभावित करता है। यह जानकारी कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने जेसी बोस विश्वविद्यालय और रोटरी ब्लड बैंक चैरिटेबल ट्रस्ट फरीदाबाद के बीच समझौता पर हस्ताक्षर के दौरान दी। विश्वविद्यालय द्वारा अपनी सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में रोटरी ब्लड बैंक के लिए ऐप विकसित की है, जिसके रखरखाव के लिए विश्वविद्यालय ने तकनीकी सेवा प्रदान करने को लेकर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। रोटरी ब्लड बैंक द्वारा विश्वविद्यालय में एक डेटा एनालिटिक्स प्रयोगशाला भी विकसित की है। समझौते पर कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग और रोटरी ब्लड बैंक के अध्यक्ष रोटेरियन महेंद्र मेहतानी कुलपति प्रो दिनेश कुमार की उपस्थिति में समझौता हस्ताक्षर किए। रोटेरियन महेन्द्र मेहतानी ने कुलपति को थैलेसीमिया पर जागरूकता अभियान चलाने के लिए विश्वविद्यालय को सहयोग देने की पेशशक की।

NEWS CLIPPING: 13.02.2021

SATYAJAY TIMES

बड़ा सोचो, उद्यमी बनो-कोई भी लक्ष्य मुश्किल नहीं : हरजिंदर सिंह

बल्लभगढ़, 12 फरवरी, सत्यजय टाईम्स/गोपाल अरोड़ा। जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद द्वारा आज ह्यबड़ा सोचो - उद्यमशील बनोह्न विषय पर एक प्रेरक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसे सफल उद्यमी और प्रेरक वक्ता हरजिंदर सिंह चीमा ने संबोधित किया। चीमा बॉयलर्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हरजिंदर सिंह चीमा देश के सफल उद्यमियों में शामिल है, जिनका सालाना कारोबार 2000 करोड़ रुपये से अधिक का है।

इस कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के एलुमनाई और कॉर्पोरेट मामलों के प्रकोष्ठ द्वारा किया गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग, डीन इंस्टीट्यूशंस प्रो. तिलक राज और एलुमनी एवं कॉर्पोरेट मामलों के निदेशक डॉ संजीव गोयल भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ। सपना तनेजा ने किया। कार्यक्रम को कुलपति प्रो. दिनेश कुमार और वाईएमसीए संस्थान के पूर्व छात्र रहे फूजी जेमको प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक महेश सचदेवा ने भी संबोधित किया। पूर्व मरीन इंजीनियर रहे श्री हरजिंदर चीमा ने विद्यार्थियों के साथ उद्यमशील बनने की अपनी कहानी को साझा किया और बताया कि करियर के प्रत्येक चरण में इनोवेशन किस तरह से एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। श्री चीमा ने विद्यार्थियों को नौकरी खोजने के बजाय रोजगार पैदा करने के लिए प्रशिक्षण देने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को एक करियर के रूप में उद्यमिता पर अपनाने की सलाह दी और एक उद्यमी के रूप में सफल होने के गुर समझाये। उन्होंने इनोवेशन पर बल देने, नई चुनौतियों का सामना करने तथा नवीनतम सॉफ्टवेयर्स की उपयोग को महत्रपूर्ण बताया। उन्होंने विद्यार्थियों को दिल से निर्णय लेने और प्रतिबद्ध रहने के लिए प्रोत्साहित किया और कहा कि कोई भी लक्ष्य हासिल करना असंभव नहीं है, केवल आवश्यकता बड़े सपने देखने की है।

केवल पूंजी निवेश से सफलता अर्जित नहीं की जा सकती। एक सफल उद्यम बनने के लिए व्यावसायिक दृष्टिकोण और मानसिकता महत्वपूर्ण पहलू हैं। उन्होंने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं है और केवल कड़ी मेहनत ही सफलता की कुंजी है। असफलताएं भी जीवन का हिस्सा हैं, इसलिए, हमें असफलता से हतोत्साहित नहीं होना चाहिए, बल्कि इससे सीख लेनी चाहिए। इस मौके पर श्री चीमा ने विद्यार्थियों द्वारा उद्यमशीलता को लेकर पूछे गये सवालों के जवाब भी दिये।

हरजिंदर सिंह चीमा को स्मृति चिह्न प्रदान करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार। छाया : सत्यजय टाईम्स/पुष्पा अग्रवाल।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING: 13.02.2021

NAVBHARAT TIMES

'बड़ा सोचो-उद्यमशील बनो'

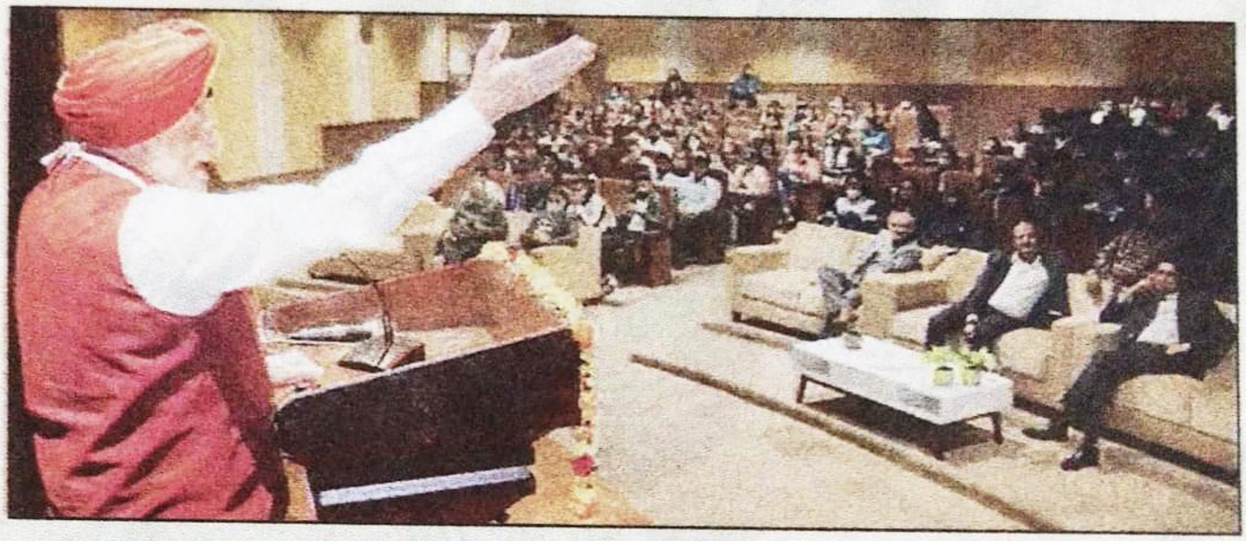

एनबीटी न्यूज, फरीदाबादः जेसी बोस यूनिवर्सिटी में 'बड़ा सोचो-उद्यमशील बनो' विषय पर एक प्रेरक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें उद्यमी हरजिंदर सिंह चीमा ने छात्रों को संबोधित किया। चीमा बॉयलर्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हरजिंदर सिंह चीमा देश के सफल उद्यमियों में शामिल है। इस कार्यक्रम का आयोजन यूनिवर्सिटी के अलुमनाई व कॉर्पोरेट मामलों के प्रकोष्ठ द्वारा किया गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार ने की। इस मौके पर कुलसचित डॉ. सुनील कुमार गर्ग, डीन इंस्टिट्यूशंस प्रफेसर तिलक राज, एलुमनी व कॉर्पोरेट मामलों के निदेशक डॉ. संजीव गोयल, डॉ. सपना तनेजा मौजूद थे।

NEWS CLIPPING: 13.02.2021

HINDUSTAN

असफलता से सबक लेने की सीख और सुझाव दिए

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए में शुक्रवार को 'बड़ा सोचो - उद्यमशील बनो' विषय पर एक प्रेरक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्रों को असफलताओं के बारे में बताया और कहा कि असफलता जीवन का हिस्सा हैं, इसलिए असफलता से हतोत्साहित न हो, बल्कि सबक लें।

विश्वविद्यालय के एलुमनाई और कॉर्पोरेट मामलों के प्रकोष्ठ विभाग की ओर से आयोजित हुए इस कार्यक्रम को बतौर मुख्य वक्ता पहुंचे चीमा बॉयलर्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक व सफल उद्यमी हरजिंदर सिंह चीमा ने संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। हरजिंदर चीमा ने छात्रों को उद्यमशील बनने की अपनी कहानी को साझा किया और बताया कि करियर के प्रत्येक चरण में इनोवेशन किस तरह से एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कड़ी मेहनत को बताया सफलता की कुंजी : उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को नौकरी खोजने के बजाय रोजगार पैदा करने के लिए प्रशिक्षण देने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने छात्रों को एक करियर के रूप में उद्यमिता अपनाने की सलाह दी और उद्यमी के रूप में सफल होने के गुर समझाए। उन्होंने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं। केवल कड़ी मेहनत ही सफलता की कुंजी है।

NEWS CLIPPING: 13.02.2021

HINDUSTAN

जेसी बोस विश्वविद्यालय के संस्कार प्रश्नोत्तरी में जीते

बल्लभगढ़ | हमारे संवाददाता

अग्रवाल कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा राष्ट्रीय ऑनलाइन क्विज (प्रश्नोत्तरी) प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसका शीर्षक कोडिंग गीक्स 2021 था। प्रतियोगिता में जेसीबोस यूनिवर्सिटी फरीदाबाद के संस्कार अग्रवाल ने पहला, अग्रवाल कॉलेज के प्रवीण कुमार ने दूसरा और जेसीबोस यूनिवर्सिटी फरीदाबाद के शिवा चौहान ने तीसरा स्थान हासिल किया।

समय के आधार पर रैंक तय की : प्रतियोगिता संयोजक डॉ. सचिन गर्ग ने गतिविधियों के सुचारु संचालन को सुनिश्चित किया। समन्वयक पुष्पा सिंह ने क्विज की सभी गतिविधियों का प्रबंध किया। आयोजन समिति के सदस्य प्रोफेसर शिल्पीगोयल, स्वातिगोयल, निशा चौधरी और विकास थे। तीनों विजेताओं को बराबर अंक मिले और प्रश्नोत्तरी सब मिशन के टाइम स्टैंप के आधार पर रैंक तय की गई।

747 छात्रों ने किया था रजिस्ट्रेशन : इस प्रतियोगिता के रजिस्ट्रेशन के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया था, जिसमें देश के अलग-अलग कॉलेजों से 747 छात्रों ने पंजीकरण किया। यह प्रश्नोत्तरी गूगल फॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन आयोजित की गई थी।

NEWS CLIPPING: 13.02.2021

HINDUSTAN

वाईएमसीए का रोटरी ब्लड बैंक से समझौता

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए की ओर से थैलेसीमिया के परीक्षण के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जायेगा। यह जानकारी कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने जेसी बोस विश्वविद्यालय और रोटरी ब्लड बैंक (आरबीबी) चैरिटेबल ट्रस्ट फरीदाबाद के बीच समझौता पर हस्ताक्षर के दौरान दी।

NEWS CLIPPING: 13.02.2021

PUNJAB KESARI

रोटरी ब्लड बैंक से किया समझौता, ब्लड बैंक की ऐप का रखरखाव करेगा विश्वविद्यालय

फरीदाबाद, राकेश देव (पंजाब केसरी)। जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद द्वारा थैलेसीमिया के परीक्षण के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जायेगा। थैलेसीमिया एक आनुवंशिक रक्त विकास है जो हीमोग्लोबिन और लाल रक्त कोशिकाओं के उत्पादन की शरीर की क्षमता को प्रभावित करता है। यह जानकारी कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने जेसी बोस विश्वविद्यालय और रोटरी ब्लड बैंक (आरबीबी) चैरिटेबल ट्रस्ट फरीदाबाद के बीच समझौता पर हस्ताक्षर के दौरान दी। विश्वविद्यालय द्वारा अपनी सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में रोटरी ब्लड बैंक के लिए ऐप विकसित की है, जिसके रखरखाव के लिए विश्वविद्यालय ने तकनीकी सेवा प्रदान करने को लेकर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। रोटरी ब्लड बैंक द्वारा विश्वविद्यालय में एक डेटा एनालिटिक्स प्रयोगशाला भी विकसित की है। समझौते पर कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग और रोटरी ब्लड बैंक के अध्यक्ष रोटेरियन महेंद्र मेहतानी कुलपति प्रो दिनेश कुमार की उपस्थिति में समझौता हस्ताक्षर किए।

पंजाब केसरी Sat, 13 February 2021
mpaper.punjabkesari.com/c/5

NEWS CLIPPING: 13.02.2021

NAVBHARAT TIMES

थैलेसीमिया परीक्षण के लिए चलेगा अभियान

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद: जेसी बोस यूनिवर्सिटी की तरफ से थैलेसीमिया परीक्षण के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रफेसर दिनेश कुमार ने जेसी बोस यूनिवर्सिटी व रोटरी ब्लड बैंक चैरिटेबल ट्रस्ट के बीच हुए समझौता हस्ताक्षर कार्यक्रम के दौरान यह जानकारी दी। यूनिवर्सिटी द्वारा अपनी सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में रोटरी ब्लड बैंक के लिए मोबाइल ऐप विकसित की है, जिसके रखरखाव के लिए यूनिवर्सिटी ने तकनीकी सेवा प्रदान करने को लेकर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस मौके पर इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग की अध्यक्षा डॉ. नीलम तुर्क, परियोजना की नोडल अधिकारी रश्मि चावला, समंवयक डॉ. शैलेंद्र गुप्ता, भारत भूषण, रोटरी ब्लड बैंक से संजय वधावन, आशीष गुप्ता, योगेश सचदेवा, मीनू गुप्ता व दीपक प्रसाद उपस्थित थे।